Class - VIII
Subject - HINDI
पाठ – 4 शक्ति और क्षमा (रामधारी सिंह 'दिनकर')

<u>मौखिक</u>

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. 'क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल' पंक्ति किस ओर संकेत कर रही है?

उत्तर 'क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल' पंक्ति मानवीय गुणों की ओर संकेत कर रही है। ये वे श्रेष्ठ गुण हैं जो सामान्य मनुष्य को विशेष बना देते हैं।

ख. सुयोधन किसे कहा गया है? व क्यों?

उत्तर सुयोधन दुर्योधन को कहा गया है।

उसे ऐसा इसलिए कहा गया है कि एक तो यह उसका दूसरा नाम है। दूसरे, वह वीर है। स्वार्थ, छल–कपट, ईर्ष्या से परिपूर्ण होने पर भी उसमें मानवीय संवेदनाओं का कुछ अंश भी है।

ग. कवि ने कविता में रघुपति कौन–सा उदाहरण दिया है?

उत्तर कवि ने कविता में रघुपति को विनम्र किंतु वीर पुरूष के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनके द्वारा विनम्रतापूर्वक तीन दिन तक सिंधु से अनुनय–विनय करने का उदाहरण दिया है। उसके उत्तर न देने पर वह पुरूषार्थ के लिए तत्पर होते हैं।

3. लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. दुष्ट कौरवों ने किसे कायर समझा और क्यों?

उत्तर दुष्ट कौरवों ने पांडवों को कायर समझा।

उन्हें कायर इसलिए समझा गया कि वे वीरता प्रदर्शन करने के स्थान पर 'क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल' जैसे मानवीय गुणों का सहारा ले रहे थे, शांति से समस्या का समाधान चाहते थे।

ख. क्षमा किसे शोभती है? पाठ के आधार पर लिखकर समझाइए।

उत्तर क्षमा बलवानों को, शक्तिशाली व्यक्तियों को शोभती है। पठित पाठ 'शक्ति और क्षमा' में कवि ने इसी तथ्य को कुछ उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

कौरव पांडवों को कायर समझ उनके क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल आदि की अनदेखी करते हैं। विषैले सर्प की क्षमा को ही संसार महत्व देता है, विषरहित की नहीं। भगवान राम जब लंका जाने के क्रम में तीन दिन तक सिंधु के समक्ष अनुनय–विनय करते हैं तब वह ध्यान नहीं देता। उनके बाण उठाने पर ही वह नतमस्तक होता है।

उपर्युक्त उदाहरणों के माध्यम से कवि ने यह सिद्ध किया कि जिसके पीछे बल का दर्प चमकता है, यह संसार उसी के आगे झुकता है। बलशाली की क्षमा की जग में सराहना होती है। बलहीन की क्षमा उसे हँसी का पात्र बना देता है।

ग. कवि ने रघुपति तथा समुद्र का उदाहरण देकर क्या समझाना चाहा है?

उत्तर कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने रघुपति तथा समुद्र का उदाहरण देकर यह समझाना चाहा है कि विनम्रतापूर्ण आग्रह या प्रार्थना को संसार महत्व नहीं देता किंतु जब वही विनम्र व्यक्ति बल–प्रयोग के लिए तत्पर होता है तो उसकी अनदेखी करने वाला शरणागत ही नहीं होता, उसकी हर बात मानने के लिए तत्पर होता है।

रघुपति तीन दिन तक समुद्र के किनारे बैठ उससे मार्ग हेतु अनुनय विनय करते रहे किन्तु उसने उनकी उपेक्षा की। किंतु, जब वह बल–प्रयोग के लिए तत्पर हुए तो वह मानव देह धारण कर तुरंत प्रकट ही नहीं हुआ, उनका शरणागत हुआ। उसने उनकी दासता ग्रहण की और मार्ग का उपाय भी बताया।

घ. सहनशीलता, क्षमा, दया आदि भाव किस अवस्था में उपयोगी हैं?
कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर सहनशीलता, क्षमा, दया आदि भाव उसी अवस्था में उपयोगी हैं, जब इनके पीछे बल का दर्प भी होता है।

कविता में कवि ने कौरव और पांडव, विषधर भुजंग और रघुपति तथा समुद्र का उदाहरण देकर इसी तथ्य से अवगत कराया है। बल का दर्प साथ होने पर ही क्षमा, दया, सहनशीलता आदि भाव को महत्व मिल पाता है। अन्यथा, यह संसार उन्हें कायर समझ उनकी उपेक्षा करता है।

ङ इस कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर इस कविता का संदेश यह है कि क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल आदि गुण श्रेष्ठ हैं। किंतु इन्हें महत्व मिले, इसके लिए इनके पीछे बल का, शक्ति का होना आवश्यक है।

अतः मानवीय सद्गुणों के साथ–साथ बल होना उत्तम है।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न 'शक्ति और क्षमा' में से किसका स्थान श्रेष्ठ है व क्यों? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर शक्ति और क्षमा में से शक्ति का स्थान श्रेष्ठ है क्योंकि उसके होने पर ही क्षमा को महत्व मिलता है। शक्तिशाली की क्षमा सराहनीय होती है जबकि शक्तिहीन की क्षमा पर कोई ध्यान नहीं देता।

कौरव पांडवों की, सिंधु रघुपति की बात पर तब तक ध्यान नहीं देता जब तक वे बल का प्रदर्शन नहीं करते।

5. सही विकल्प के सामने शुद्ध (✓) का चिह्न लगाइए –

क. दुष्ट कौरवों ने पांडवों को क्या समझ लिया था?

महाबली क्रांतिकारी कायर

उत्तर कायर

ख. श्रीराम कितने दिवस तक समुद्र से मार्ग माँगते रहे?

दो तीन चार

उत्तर तीन

ग. श्रीराम की शरण में कौन आ गिरा?

आकाश समुद्र पशु–पक्षी

उत्तर समुद्र

घ. क्षमा शब्द किसे शोभा देता है?

कायर साहसी आलसी

उत्तर कायर